हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 23 फरवरी 2026

11 पानी के बिलों की रिकवरी में तेजी व अवैध कनैक्शन काटने के निर्देश

12 रतिया में बेसहारा कुत्तों का आतंक कम करने की कवायद...

खबर संक्षेप

शराब सहित युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को अवैध देसी शराब सहित काबू किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि पुलिस टीम भूना रोड पर गश्त व अपराध जांच के दौरान भागीरथी चौक के पास पहुंची। इसी दौरान एक युवक सफेद रंग के प्लास्टिक कट्टे को कंधे पर उठाए आता दिखाई दिया, जो पुलिस वाहन को देखकर वापस मुड़कर तेज कदमों से चलने लगा। शक के आधार पर पुलिस उसे काबू कर लिया।

हेरोइन तस्करी मामले में युवक को भेजा जेल

रतिया। नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रतिया पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में एक युवक को काबू किया है। थाना शहर रतिया प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि 26 जुलाई 2025 को हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यूनिट फतेहाबाद की टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी जिसके आधार पर कार्रवाई की गई।

अवैध हथियार प्रकरण में तीसरे युवक को दबोचा

रतिया। अवैध हथियार रखने के मामले में थाना सदर रतिया पुलिस ने तीसरे आरोपी को काबू किया है। इससे पूर्व इसी प्रकरण में दो आरोपियों को पहले ही काबू किया जा चुका है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि 17 दिसंबर 2025 को पुलिस चौकी नागपुर की टीम को गश्त के दौरान गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक कार में सवार कुछ व्यक्तियों के पास अवैध हथियार हैं। सूचना के आधार पर बस अड्डा खुनन के पास नाकाबंदी कर वाहन चेकिंग की गई।

14 मार्च को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

फतेहाबाद। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के नेतृत्व में 14 मार्च को फतेहाबाद रतिया और टोहाना के न्यायिक परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक सोमवार और वीरवार को स्पेशल प्री लोक अदालत भी आयोजित की जा रही है।

विरेंद्र कुमार सर्वसम्मति से बने प्रधान

सिरसा। हरियाणा पीडब्ल्यूडी कार्यकारी संघ बीएंडआर सिविल शाखा के द्विवार्षिक चुनाव रविवार को स्थानीय पीडब्ल्यूडी कार्यालय में यूनियन में प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण लाल गुर्जर की देखरेख में सर्वसम्मति से हुए। सर्वसम्मति से विरेंद्र कुमार को प्रधान चुना गया जबकि चेयरमैन मदनलाल शर्मा को चुना गया। इसके अलावा सचिव के तौर पर अनिल कुमार कुंडू, वरिष्ठ उप प्रधान जयपाल, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार, उप कोषाध्यक्ष विकास कुमार गोदारा, उप प्रधान बीरेंद्र कुमार नेहरा को जिम्मेदारी सौंपी।

सरपंच एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष ने दी मासूम शर्मा को चेतावनी, कहा

माफी नहीं मांगी तो प्रदेश के किसी गांव में नहीं होने देंगे कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा और सरपंचों के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हरियाणा सरपंच एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष रणबीर गिल ने मासूम शर्मा को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर मासूम शर्मा सरपंचों से सार्वजनिक तौर पर माफी नहीं मांगते हैं, तो उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। गिल ने स्पष्ट किया कि माफी न मांगने पर प्रदेश के सभी गांवों में पंचायतें इस कलाकार के किसी भी इवेंट्स को नहीं होने देंगी। रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेशाध्यक्ष एवं गांव समैण के सरपंच रणबीर गिल ने कहा कि सरपंचों की ताकत केवल हरियाणा तक सीमित नहीं है, बल्कि वे देश के हर कोने में मौजूद हैं, जिससे मासूम शर्मा को हर गांव में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। रणबीर गिल ने मासूम शर्मा पर हर इवेंट्स के दौरान नशे में होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसी कारण उनके इवेंट्स में अक्सर हंगामा होता है। गिल ने यह भी कहा कि मासूम शर्मा अपने फैंस पर हमला करवाते हैं, जबकि एक कलाकार के लिए उसके फैन भगवान के समान होते हैं। यही फैन कलाकार की असली ताकत होते हैं। जो कलाकार अपनी फैन्स को सम्मान नहीं दे सकता, वह ज्यादा दिन तक टिक भी नहीं सकता।

अपमान किसी भी किमत पर सहन नहीं होगा : बैजलपुरिया

फतेहाबाद। प्रदेशाध्यक्ष रणबीर गिल व प्रदेश प्रभारी हेमंत बैजलपुरिया।

प्रदेशाध्यक्ष रणबीर गिल ने कहा कि गांव बैजलपुर के सरपंच हेमंत बैजलपुरिया को किसी व्यक्ति ने धमकी देकर वीडियो डिलीट करने को कहा है। गिल ने चेतावनी दी कि ऐसी धमकियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यदि कोई शरारती तत्व सरपंचों को परेशान करेगा तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। रणबीर गिल ने हरियाणा सरकार से मांग की कि ऐसे कलाकार के विवादित गानों को हटाया जाए, क्योंकि इनसे युवाओं में गलत संदेश जा रहा है। उन्होंने मासूम शर्मा पर 'चांदी के सिक्कों' के कारण घमंड में आने का आरोप भी लगाया। रणबीर गिल ने पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह एक नेता को सत्ता का नया-नया घमंड हुआ था, मासूम शर्मा भी उस नेता से पंचायतों की ताकत के बारे में पूछ सकते हैं।

जैसा व्यवहार सरपंचों के साथ किया, वैसा जवाब गांवों में मिलेगा: बैजलपुरिया

बता दें कि प्रदेशाध्यक्ष से पूर्व एसोसिएशन के प्रदेश प्रभारी हेमंत बैजलपुरिया ने भी मासूम शर्मा द्वारा मंच से सरपंचों के प्रति किए गए अपमानजनक व्यवहार को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। इसके बाद से उन पर इस पोस्ट को डिलीट करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। फेसबुक पेज पर लाइव आए हेमंत बैजलपुरिया ने कहा कि जो व्यक्ति जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों का सम्मान नहीं करता, उसे गांवों में सम्मान की भी उम्मीद नहीं रखनी चाहिए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मासूम शर्मा को चेतावनी है कि भविष्य में किसी भी गाँव में प्रोग्राम करने से पहले सोच लें, क्योंकि जिस तरह का व्यवहार उन्होंने सरपंचों के साथ किया है, वैसा ही जवाब उन्हें गांवों में मिल सकता है। सरपंचों का अपमान पूरे गांव और जनता का अपमान है, जिसे अब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों की गरिमा को ठेस पहुंचाई

साथ ही सरपंच हेमंत बैजलपुरिया ने कलाकार मुकेश जाज्जी को सलाह देते हुए कहा कि आप एक सम्मानित कलाकार हैं, इसलिए ऐसे व्यक्ति के लिए माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं है जिसने जनप्रतिनिधियों की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के सभी सरपंच साथी इस मुद्दे पर एकजुट होकर मासूम शर्मा का बहिष्कार करेंगे, ताकि भविष्य में कोई भी कलाकार मंच से जनप्रतिनिधियों का अपमान करने की हिम्मत न करे। जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों का अपमान अब किसी कीमत पर सहन नहीं होगा।

सिरसा। कुरुक्षेत्र कूच के लिए बीकेई पैदल मार्च निकालते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

तीन दिवसीय कुरुक्षेत्र कूच के लिए किसानों ने निकाला पैदल मार्च

- किसानों-मजदूरों की मांगों को लेकर खोला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा किसान विरोधी लिए जा रहे फैसलों के विरोध में और किसानों-मजदूरों की मांगों को लेकर हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर उनके संगठन प्रतिनिधि तीन दिवसीय पड़ाव के लिए सोमवार को कुरुक्षेत्र पहुंचेंगे। बीकेई प्रधान लखविंद्र सिंह ने बताया कि रविवार को संगठन सदस्यों ने जिले के विभिन्न गांवों में पैदल मार्च निकालकर किसानों को इस पड़ाव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिका से किया गया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किसानों के लिए डेथ वारंट से कम नहीं है। इसलिए उपरोक्त डील को रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सरकारों की गलत नीतियों व फसलों के सही दाम न मिलने के कारण कर्जदार हुए किसानों, खेत मजदूरों की संपूर्ण कर्जा माफी की जाए।

प्रमुख मांगे

नया बिजली कानून व सीड्स बिल रद्द किया जाए। बुजुर्गों का सम्मान भत्ता बंद करने के लिए सरकार कोई बहाना न बहाए। मुख्यमंत्री हरियाणा धान घोटाले में लिप्त अधिकारियों को बर्खास्त करते हुए उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करवाएं। मुख्यमंत्री अपनी की गई घोषणाओं के अनुसार 23 फसलों की एमएसपी पर खरीद करवाएं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की त्रुटियों को दूर किया जाए। नदियों, नालों और खालों की सफाई व खुदाई करवाई जाए। यूरिया व डीएपी खाद समय पर मुहैया करवाई जाए, को-ऑपरेटिव बैंक व सोसायटियों को मजबूत करके नए किसानों को मेंबर बनाया जाए। इस मौके पर बीकेई से हरचरण सिंह पंजुआना, मीडिया प्रभारी गुरलाल सिंह भंगू, पूर्व सरपंच रोहिड़ांवाली गुरदेव सिंह, भरत गोदारा, बलजिंद्र सिंह, दीपू गिल, पूर्व सरपंच नछत्तर सिंह, गोरा सिंह, बिंद्र सिंह जिगरदीप सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

जल्द मिलेगा नहरी पानी, 40 करोड़ खर्च कर बदली जाएंगी पुरानी पाइप लाइन

- रतिया शहर के निवासियों को मिलेगी राहत, अभी छह महीनों का इंतेजार शेष

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

रतिया शहर के निवासियों को जल्द ही नहरी पानी उपलब्ध होगा। प्रदेश सरकार ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें 40 करोड़ रुपए की लागत से नई पाइप लाइन बिछाने का कार्य जल्द शुरू होगा। हालांकि, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अनुसार, शहरवासियों को नहरी पानी के लिए अभी छह महीने और इंतजार करना पड़ेगा। नगर पालिका ने सहनाल रोड पर 23 एकड़ भूमि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को जलघर बनाने के लिए दी थी। इस पर प्रदेश सरकार ने 60 करोड़ रुपए की लागत से एक जलघर का निर्माण कराया है। इसके अतिरिक्त, शहर के 17 वार्डों में 40 करोड़ रुपए की लागत से नई पाइप लाइन बिछाई जाएगी। शहर के लोगों की लंबे समय से मांग थी कि उन्हें नहरी पानी उपलब्ध कराया जाए, क्योंकि मौजूदा पानी के कारण हेपेटाइटिस सी और कैंसर जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका थी। पुरानी पाइपलाइन कई जगहों से लीक हो रही थी, जिससे शहरवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। प्रदेश सरकार ने अब इस पुरानी मांग को पूरा किया है।

जल्द शुरू होगी लाइन डालने की प्रक्रिया

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसडीओ अंचल जैन ने बताया कि शहर की 55 हजार आबादी वर्तमान में ट्यूबवेल का पानी पी रही है, जिसका टीडीएस 600 है। शहर में 22 ट्यूबवेलों से पानी की आपूर्ति की जा रही है। नई पाइप लाइन बिछाने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी और अगले छह माह के भीतर नहरी पानी की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है।

पैसे मांगने पर ढाबे पर की तोड़फोड़, दो काबू

- 17 फरवरी की रात को 'शेरू का ढाबा' पर खाना खाने आए थे युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭टोहाना

ढाबा संचालक से मारपीट करने, तोड़फोड़ व जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान अजय सिंह पुत्र धिन्दर पाल निवासी लोहाखेड़ा तथा परगट सिंह पुत्र नरेश कुमार निवासी लोहाखेड़ा के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने महेन्द्र कुमार पुत्र जुगल किशोर निवासी शहीद भगत सिंह कॉलोनी, लिंक दमकोरा रोड, टोहाना की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि 17 फरवरी की रात को दो युवक उसके 'शेरू का ढाबा' पर खाना खाने आए। खाना खाने के बाद जब बिल मांगा गया तो दोनों ने गाली-गलौच शुरू कर दी और शिकायतकर्ता व उसके कर्मचारियों के साथ मारपीट की। एक आरोपी ने शिकायतकर्ता की बाईं टांग पर दांत से काटकर चोट पहुंचाई। आरोपियों ने ढाबे में तोड़फोड़ की, काउंटर के पत्थर तोड़े, पानी की टंकी क्षतिग्रस्त की तथा शटर का ताला तोड़ने का प्रयास किया।

टोहाना। पुलिस द्वारा तोडफ़ोड़ मामले में गिरफ्तार दोनों युवक। *फोटो: हरिभूमि*

शिकायतकर्ता का आई चोटें

इस बारे शिकायत मिलते ही पुलिस टीम ने मामला दर्ज किया था। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार शिकायतकर्ता को साधारण व काटने से चोटें आई हैं। इस मामले में पुलिस ने अब दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

औजार सहायता योजना निर्माण कामगारों के लिए बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सरकार द्वारा श्रम विभाग के माध्यम से पंजीकृत निर्माण कामगारों के हित में अनेकों कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। इसी कडी में विभाग द्वारा औजार सहायता योजना के माध्यम से निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों को नए, अच्छे और सुविधाजनक औजार (टूल किट) खरीदने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। सरकार का उद्देश्य है कि मजदूरों को बेहतर उपकरण मिलें, जिससे वे अपना काम अधिक सुरक्षित, तेज और प्रभावी तरीके से कर सकें। योजना के अंतर्गत पात्र निर्माण कामगार को औजार (टूल किट) खरीदने पर अधिकतम 8000 रुपये तक की सहायता राशि दी जाती है। यह राशि श्रमिकों को उनके कार्य के अनुसार जरूरी औजार खरीदने में मदद करती है। बेहतर औजार मिलने से काम की गुणवत्ता बढ़ेगी और श्रमिकों की आय में भी वृद्धि की संभावना रहेगी।

टूल किट खरीदने पर अधिकतम 8000 रुपये तक की सहायता राशि दी जाती

डिंग मंडी सीवरेज सिस्टम से महरूम

- शासन-प्रशासन से की सीवरेज सिस्टम उपलब्ध करवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

करीबन 15 हजार लोगों की आबादी को समेटे सिरसा हलके के डिंग मंडी क्षेत्र में अभी तक सीवरेज सिस्टम की सुविधा नहीं है। सीवरेज सिस्टम नहीं होने के कारण जनता को खासकर बरसात के समय में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। डिंग मंडी निवासी मनोहरलाल सोनी, संजय फुटेला, मनोहरलाल अरोड़ा, पुनीत फुटेला, सीताराम शर्मा, कुलदीप सोनी, नत्थु सोनी, चेतराम फुटेला, डा. रणजीत, डा. महेंद्र, डा. भार्गव जीएएस, कृष्ण खत्री, भंवरलाल खत्री, राजेंद्र फुटेला, महावीर जैन, चंद्र सिंह खलेरी पूर्व सरपंच, पंकज शर्मा ने बताया कि सीवरेज न होने के कारण यहां के बाशिंदों को बेहद गंभीर समस्याओं से गुजरना पड़ता है। उन्होंने बताया कि सीवरेज न होने के कारण मंडी का पानी वैसे ही नहीं निकलता, ऐसे में अगर बरसात आ जाए तो कोढ़ में खाज वाली बात हो जाती है। समस्या और भी विकट हो जाती है, जिससे लोगों का पैदल निकलना भी दुभर हो जाता है।

बार-बार अवगत कराने पर भी समाधान नहीं

डिंग मंडी के साथ ही रेलवे स्टेशन की सीमा लगती है और यहां रोजाना 20 से अधिक गाड़ियों का आवागमन होता है। पानी भरा होने के कारण उन्हें अपनी जान जोखिम में डालकर रेलवे लाइन के उपर से ही दूसरे स्थान से सुरक्षित अपने घरों की ओर जाना पड़ता है। इस समस्या संबंधी समय-समय पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों सहित रेलवे विभाग को भी मौखिक व लिखित रूप में अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अभी तक समस्या की ओर किसी ने भी गंभीरता नहीं दिखाई। ग्रामीणोंने शासन-प्रशासन से गुहार है कि डिंग मंडी वासियों की इस गंभीर समस्या की ओर तुरंत ध्यान देकर सीवरेज सिस्टम उपलब्ध करवाया जाए।

कारोबारी की कार से 2.37 लाख रुपये गायब, ड्राइवर पर आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शहर की हंस मार्केट स्थित जैन एजेंसीज के मालिक की कार से संदिग्ध परिस्थितियों में 2 लाख 37 हजार रुपए गायब होने का मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़ित व्यापारी द्वारा बस स्टैण्ड चौकी में पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। व्यापारी ने अपने ही कार के ड्राइवर पर नकदी चोरी करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि तीन दिन पहले रखे ड्राइवर ने उसकी कार से पैसे चुराये हैं। इस बारे शिकायत मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मॉडल टाउन निवासी कारोबारी राजीव जैन ने बताया कि 20 फरवरी की शाम को वह अपने प्रतिष्ठान से घर जा रहा था। उसने 2 लाख 37 हजार रुपए बैग में डालकर कार में रखे थे। रास्ते में वह फ्रूट लेने के लिए सिरसा रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने लगी रेहड़ियों के पास रूका। उनके साथ ड्राइवर भी उतरा। राजीव जैन ने बताया कि उसे उतार कर ड्राइवर ने गाड़ी आगे करके रोक दी।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

लाखों की हरोइन सहित चार दबोचे

- नशा तस्करों पर शिकंजा, 111 ग्राम नशा किया बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस ने नशा तस्करों पर शिकंजा कसते हुए सिरसा जिले क्षेत्र से चार हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार तस्करों से करीब बीस लाख रुपये की 111 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पकड़े गए तस्करों की पहचान सिरसा निवासी सौरव, अनिल कुमार, गुरसिमरत व राजदीप सिंह के रूप में हुई है। सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान शहर के भगत सिंह पार्क क्षेत्र में मौजूद थी। पार्क के बाहर सडक़ किनारे खड़े मोटरसाइकिल पर दो युवक बैठे थे, जो कि पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगे।

सिरसा। पकड़े गए हेरोइन तस्कर। *फोटो: हरिभूमि*

नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी

एसपी दीपक सहारण ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान उनसे गहन पूछताछ कर हेरोइन तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी के नेक्सस को तोडने और आपराधिक नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा सघन कार्रवाई की जा रही है।

धर्म-कर्म गृह प्रवेश, विवाह सहित सभी मांगलिक कार्यों पर रहेगी रोक

कल से शुरू होगा होलाष्टक, आठ दिन मांगलिक कार्य रहेंगे बंद, महामृत्युंजय मंत्र का करें जाप

- भक्त प्रहलाद को दी गई यातनाओं से जुड़ा है होलाष्टक का धार्मिक महत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

आगामी 24 फरवरी से होलाष्टक शुरू हो रहा है, जो कि शुक्ल अष्टमी से तीन मार्च को पूर्णिमा तक, यानी है आठ दिनों तक रहेगा। मान्यता है कि इन दिनों में ग्रहों का स्वभाव उग्र रहता है, जिस कारण मांगलिक व नए कार्यों की सफलता में बाधा आ सकती है। ऐसे में उक्त दिनों में गृह प्रवेश, मुंडन, विवाह, सगाई, जनेऊ, नामकरण जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाते। श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा के अनुसार होलिका दहन के बाद ही शुभकार्य शुरू होंगे। अष्टमी से पूर्णिमा तक नवग्रहों में उग्र रूप में रहने वाली अष्टमी को चंद्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध, चतुर्दशी को मंगल और पूर्णिमा को राह माने गए हैं। श्याम मंदिर के पुजारी पडित सोनू शर्मा ने बताया कि हिरण्यकश्यप और भक्त प्रहलाद की कथा से होलाष्टक का संबंध जोड़ा जाता है। मान्यता है कि फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से पूर्णिमा तक असुर राजा हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद को भगवान विष्णु की भक्ति छोड़ने के लिए यातनाएं दी थीं।

यह नहीं करना चाहिए

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि नया घर खरीदना जैसे सभी शुभकार्य रोक दिये जाते हैं। यदि इस दौरान मृत्यु हो जाती है तो उनके अंतिम संस्कार के लिए भी शांति कराई जाती है। एक मान्यता अनुसार किसी भी नवविवाहिता को अपने ससुराल की पहली होली नहीं देखनी चाहिए।

भक्ति के लिए उत्तम समय

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि यह समय भगवान की भक्ति के लिए भी उत्तम माना जाता है। होलाष्टक के दौरान दान-पुण्य करने का विशेष फल प्राप्त होता है। इस दौरान मनुष्य को अधिक से अधिक भगवत भजन और वैदिक अनुष्ठान करने चाहिए, ताकि समस्त कष्टों से मुक्ति मिल सके। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होलाष्टक में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से हर तरह के रोग से छुटकारा मिलता है।

यह करना चाहिए

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार विष्णु और शिव के साथ कुल देवी-देवताओं की पूजा करें। दान-दक्षिणा करने के साथ हर रोज ऋण मोचन स्त्रोत, विष्णु सहस्त्रनाम, हनुमान चालीसा या श्री सूक्त का पाठ करें। पितरों को हर रोज तर्पण दें और उनका ध्यान करें। ग्रहों की शांति के लिए पूजा या यज्ञ करवाएं।

चौपाल

किसी भी मनुष्य की इच्छाशक्ति अगर उसके साथ हो तो वह कोई भी काम बड़े आसानी से कर सकता है । इच्छाशक्ति और दृढ़संकल्प मनुष्य को रंक से राजा बना देती है।

– महर्षि वाल्मीकि

जोगिंदर ने अंगोछे से मुंह पोंछा और तंबाकू की पीक निगलता हुआ बोला, "बाबूजी ने बहुत बड़ा फ़ार्म हाउस बनवाया है। अब अगले महीने वहीं काम करना है। बाबूजी ने यह भी बोला है, काम अच्छी तरह से किया, तो यहीं पर परमानेंट कर देंगे। छह महीने बाद पगार भी बढ़ा देंगे और रहने को पक्की छत वाला एक कमरा भी बनवा देंगे।"

कहानी

विकेश निझ़ावन

तितलियां

जोगिंदर देर रात तक सामान बटोरता रहा। कस्सी, खुरपा, दराती और बड़ी वाली कैंची। यह सब तो ठीक, लेकिन किसी और औज़ार की ज़रूरत भी तो पड़ सकती है, जोगिंदर मन ही मन बुदबुदाया। अब इतना भी क्या सोचना। बाबू वहां होगा, उनसे कह देगा। जोगिंदर ने यह बात माया के आगे भी दोहरा दी तो माया खीजती-सी बोली, "तेरे को ये सब भी ले जाने की क्या ज़रूरत। नई जगह है, बाबू अपने-आप नया सामान दिला देंगे।"

"अरी, कैसी बात करती हैं। यह सामान भी तो बाबूजी ने ही दिलाया था। अब हर दिन बाबूजी पैसे ख़र्च करते रहेंगे। जब कोई चीज़ टूट जाएगी, तब कह देंगे उनसे। दीवार की खूंटी से अपनी बनियान उतारता जोगिंदर बोला, "पैसा अपना हो या दूसरे का, इस तरह बर्बाद ना करने का मैं।"

"बस रे हरिश्चंद्र की औलाद। तेरी इसी बुद्धि करके तो मुझे भी नरक-सी जिंदगी जीनी पड़ रही है। पिछले माह देखा, क्या हाल रहा अपना। पूरा दिन नाले की सफ़ाई करते-करते, बदन कोढ़ मारने लगा था। मच्छर, कीड़े मेरी बाजू के ऊपर तक चढ़े आते थे। सूरज को चुन्नी में लपेट पेड़ के नीचे सुला आती थी। यूं कह ले, पेड़ ने ही उसकी रक्षा की।" माया पलभर को रुकी, फिर लंबी सांस भरती बोली, "अब तो पाली दसवीं पास कर ले, उसे कहीं किसी दफ्तर में लगवा दो।"

"किसी दफ्तर में! अफ़सरी करेगा क्या?"

"नहीं जी, अफ़सरी तो नहीं कह रही मैं। चपरासीगीरी तो कर ही लेगा।"

जोगिंदर ने ठंडी सांस भरी, फिर बोला, "तेरी बात तो ठीक है री, परंतु मैं कुछ और सोचूं।"

"तो अब तू क्या सोचे?"माया उतावली-सी होती बोली।

"मैं सोच रहा हूं, अगर वह दस पास कर सकता है, तो बारह भी पास कर लेगा। और बारह पास को तो सरकारी नौकरी भी मिल जाए।"

"सरकारी नौकरी! हम जैसों को सरकारी नौकरी कौन देगा। अपनी तो कोई न जान-पहचान, न कोई सिफ़ारिश।"

"अरी, अभी दो साल हैं ना! बाबूजी से कहेंगे, वह पहुंच वाले आदमी हैं, और फिर किस्मत पलटते देर ना लगे। अब अपना ही देख ले, कल तक नाले की साफ़-सफ़ाई कर रहे थे, अब कल से बाग़-बग़ीचे की रखवाली करेंगे। मैं तो बाग़-बग़ीचा भी देख आया हूं।"

"तू बाग़-बग़ीचा देख आया, मुझे क्यों नहीं बताया?" माया ने उलाहना भरा।

"अब हर बात के लिए तुझे साथ लेता रहूं?" जोगिंदर ने अंगोछे से मुंह पोंछा और तंबाकू की पीक निगलता बोला, "बाबूजी ने बहुत बड़ा फ़ार्म हाउस बनवाया है। अब अगले महीने वहीं काम करना है। बाबूजी ने यह भी बोला है, काम अच्छी तरह से किया, तो यहीं पर परमानेंट कर देंगे। छह महीने बाद पगार भी बढ़ा देंगे और रहने को पक्की छत वाला एक कमरा भी बनवा देंगे।" माया को तो यक़ीन ही न आया। बोली, "एक बार पहले भी बाबूजी ने बाग़-बग़ीचे में काम दिया था, तब पाली तीन बरस का था।" एकाएक माया का चेहरा खिल-सा आया। हंसते हुई बोली, "पाली के बचपन के साल तो वहीं निकले थे।"

"याद है कैसे भाग-भागकर तितलियां पकड़ा करता था।"

जोगिंदर भी मुस्कुरा दिया, "हां, याद है मुझे। पर तुझे यह भी याद है, हर रोज़ वह दो-चार तितलियां अपनी स्कूल की कॉपी-किताबों के बीच दबा दिया करता था।"

"मैं कैसे भूल सकती हूँ।" माया उदास होती बोली, "उसकी मैडम ने ही बताया था। मुई कहती थी, तुम्हारा बेटा बड़ा होकर 'क्रिमिनल' बनेगा। उस वक्त मुझे इस शब्द का क्या पता था। मैंने सोचा, कोई अच्छी बात कह रही होगी, लेकिन जब बाद में पाली ने इसका मतलब बताया तो मैंने उसे चांटा लगा दिया था। अरे, पहले बताया होता, तो मैं उस मुई का मुंह नोच लेती।"

"हां!"जोगिंदर भी आक्रोश से भर आया था। मुट्ठियां भींचता बोला, "तभी तो हमने पाली को उस स्कूल से निकाल लिया था। अब देख, सरकारी स्कूल में ही सही, पास तो होता चला आया है। बुरा समय तो बीत गया। छह महीने बाद पाली दस पास कर लेगा, और बाबूजी के बग़ीचे में हमारी नौकरी भी पक्की हो जाएगी।" जोगिंदर की बात पर माया ने चेहरा आसमान की ओर उठाते हुए दोनों हाथ जोड़ दिए, और मन ही मन ईश्वर का धन्यवाद करने लगी।

इस नई जगह पर माया की आंखें तो फटी-सी रह गईं। इतना बड़ा फ़ार्महाउस, ढेर सारे पेड़-पौधे तो पहले से भले लग रहे हैं। अब उसे क्या करना है, माया सोचने लगी। जोगिंदर ने उसका चेहरा पढ़ लिया। बोला, "हरी घास भी तभी अच्छी लगे, अगर वह मखमल जैसी हो। मैं घास में पानी लगाने जा रहा हूं, तू तब तक झाड़ू से सूखे पत्ते बुहार ले। सूरज को कहीं भी छोड़ दे, भागता-फिरता रहेगा। यहां किसी बात का डर नहीं, इतना बड़ा तो मैदान है।"माया की समझ में कुछ-कुछ आने लगा था। जोगिंदर ने बताया था कि बाबूजी दिन में दो-तीन बार आ सकते हैं। हमें काम करते देख ख़ुश हो जाएंगे। जोगिंदर की बात तो सच्ची है, माया ने सोचा, इतनी बड़ी जगह है, कहीं न कहीं तो वह बुहारती रहेगी। बाक़ी आगे का तो बाबूजी आकर बताएंगे ही। सूरज का तो ख़ूब मन लग रहा बस, इधर-उधर दौड़ता रहा और आखिर में माया के पास आकर बोला, "मैं कुछ लाया हूँ....दिखाऊं क्या?"

"क्या लाया है, दिखा तो।" माया तो कभी सोच ही न पाती कि वह क्या लाया है। सूरज ने मुट्ठी खोली तो माया अवाक, "हे राम! तू भी तितली पकड़कर ले आया। अरे, क्या ज़रूरत थी। देख तो, बेचारी कैसे तड़प रही है।" माया ने झट से तितली को अपने हाथों में लिया और गुलाब के बड़े से फूल के ऊपर रख दिया। सूरज की हथेली अपने दुपट्टे से पोंछती बोली, "तितलियां देखने के लिए होती हैं। पकड़ने के लिए नहीं।"

अब तक जोगिंदर पास आ गया था। माया की पीठ पीछे खड़ा सारा तमाशा देख रहा था। तपाक से माया के सामने आकर खड़ा हो गया और कमर पर दोनों हाथ रखता बोला, "कैसी बात करती है री तू! तितलियां पकड़ने के लिए ही होती हैं। वो तो हमारे हाथ आ नहीं पातीं, इसलिए हम ऐसा कह देते हैं।"

"बस-बस, बाप-बेटे मिलकर तितलियां पकड़ते रहो।" पाली स्कूल से आ गया था। जोगिंदर ने उसे समझा दिया था कि स्कूल के बाद सीधे बाबूजी के फार्म हाउस में आ जाएगा।

माया नाराज़ होती बोली थी, "बच्चा है, इतनी दूर अकेले कैसे पहुंचेगा।"

"अरे, अब यह बच्चा नहीं रहा। मैंने इसे दो बार रीगल सिनेमा में घुसते देखा है। स्कूल के बाद दोस्तों के साथ वहां नई फिल्म के पोस्टर देखने जाता है।"

पाली झेंप-सा गया। कैसे उसके बाप ने उसकी चोरी पकड़ ली। रीगल तक का रास्ता तो उसे पता था, आगे का रास्ता जोगिंदर ने समझा दिया।

पाली अवाक रह गया। सिर से पांव तक कांप गया। बड़ा आदमी बनने के लिए वह तितलियां पकड़ने का बहाना कर लोगों से लूटमार किया करता है। आज के घने कोहरे में कहीं बापू की गर्दन पर उसकी उंगलियों के निशान तो नहीं पड़ गए?

जोगिंदर उसे समझा रहा था और पाली मन ही मन मुस्कुरा रहा था।

"देख रे, कितना सुंदर फार्म हाउस।" जोगिंदर अपनी ख़ुशी ज़ाहिर कर पाली को भी ख़ुश देखना चाहता था। पाली ने तो सीधे से मुंह बिचका दिया, "यह कौनसा अपना है।"

"अरे, कैसी बात करता है तू। ऐसी चीज़ तो बड़े लोगों की होती हैं। हम बड़े लोग नहीं है रे।" जोगिंदर बुझी आंखों से पाली के चेहरे की ओर देखने लगा तो पाली एकाएक बोल उठा, "मैं तुम्हें बड़ा आदमी बनकर दिखाऊंगा।" कहते हुए पाली वहां से भाग गया और सूरज के साथ-साथ वह भी तितलियों के पीछे दौड़ने लगा। माया तो उसे यूं दौड़ते देखा हंस-हंसकर पागल-सी हो आई, "इतना बड़ा हो गया यह, तितलियां पकड़ने से बाज़ नहीं आया।"

दिन, सप्ताह, महीने गुज़र गए। इधर पाली के इम्तिहान ख़त्म हुए, उधर बाबूजी ने जोगिंदर की पक्की नौकरी का एलान कर दिया। पगार भी बढ़ा दिया और अगले छह महीने के अंदर उनके लिए पक्की छत बनवा देने का भी वादा किया। जोगिंदर और माया ख़ुशी से फूले नहीं समा रहे थे। शाम को जोगिंदर और माया सामान समेट रहे थे तो बाबूजी आ गए। जोगिंदर कुछ अदब से खड़ा हो गया तो बाबूजी बोले, "तुम जा रहे हो क्या?""हां साहब, पांच बज रहे हैं, कोई हुकुम हो तो कहिएगा।" बाबूजी माया की ओर देखते बोले, "शाम को मेरे कुछ मेहमान आ रहे हैं। जोगिंदर थोड़ी देर रुक जाएगा, तुम अकेली जा सकती हो।" "कोई दिक्क़त नहीं साब।" जोगिंदर और माया के मुंह से एकसाथ ये शब्द निकले तो बाबूजी मुस्कुरा दिए। माया के चलते-चलते जोगिंदर ने उसे पचास का नोट पकड़ा बच्चों के लिए कुछ मीठा लेती जाने को कहा। "मैं तो रोटी-पानी ख़ाकर ही आऊंगा। तुम बच्चों को खिला देना, ख़ुद भी खा लेना।" जोगिंदर की जुबान से क्या-क्या शब्द फूट रहे थे, माया मन ही मन फूली न समा रही थी।

माया घर पहुंची तो पाली बाहर को निकल रहा था। उसे रोकती हुई माया बोली, "तू कहां जा रहा है रे?""मैं!" पाली की जुबान लड़खड़ा-सी आई, "मैं तितलियां पकड़ने जा रहा हूँ।"

"इस वक्त कौनसी तितलियां उड़ती हैं रे?"

"आजकल तो तितलियां रात में भी उड़ती हैं, मां।" पाली कहता हुआ भाग गया। माया देर तक हंसती रही, कैसा बावला हो गया है। कहता है, आजकल रात को भी तितलियां उड़ती हैं।

माया रसोई में आकर दाल-भात बनाने लगी। दाल-भात बनाने में कौन-सी देर लगी। एक घंटे में सारा भोजन तैयार। पाली आ जाए तो उसे गरमा-गरम परोस देगी। बाद में मिठाई का डिब्बा खोलेगी। देखो, कैसे उछल पड़ेगा।

जोगिंदर पगार भी लाएगा, और बाबूजी कह रहे थे, कुछ बड़े-बड़े लोग आ रहे हैं। फिर तो बख़्शीश भी अच्छी मिल जाएगी। नौ बज रहे हैं। पाली अभी तक न आया। बाहर ठंड और कोहरा भी ख़ूब पड़ने लगा है। कहीं बीमार हो गया तो जोगिंदर तो उसे ही डांटेगा। माया बार-बार दरवाज़े की ओर जा रही थी। लो, पाली आ गया। कुंडी तो ऐसे खड़का रहा है, जैसे तोड़ ही डालेगा। "अरे, आ रही हूं ना। क्या दरवाज़ा तोड़ने का इरादा है?"

माया ने दरवाज़ा खोला तो एक लंबी चीख़ उसके मुंह से निकल गई। चार-छह लोग जोगिंदर को पकड़े बाहर खड़े थे। जोगिंदर की गर्दन से ख़ून टपक रहा था।

कोई एक आदमी बोला, "किसी ने इसकी गर्दन पर चाकू से रेत डाला है। हम इसे अस्पताल लेकर जा रहे हैं।"

माया छाती पर दोहत्थड़ मार फूट पड़ी, "हाय राम! किसने मार डाला मेरे आदमी को?"

गली-मोहल्ला इकट्ठा हो गया था। तभी भीड़ को चीरता हुआ पाली आगे आया तो माया चिल्ला पड़ी, "अरे तू तितलियां पकड़ता फिरता है, पकड़ना है तो उसे पकड़, जिसने तेरे बापू को मार डालने की कोशिश की।"

पाली अवाक रह गया। सिर से पांव तक कांप गया। बड़ा आदमी बनने के लिए वह तितलियां पकड़ने का बहाना कर लोगों से लूटमार किया करता है। आज के घने कोहरे में कहीं बापू की गर्दन पर उसकी उंगलियों के निशान तो नहीं पड़ गए? वह भीतर की ओर भागा और जेब में रखा बटुआ निकाल देखने लगा। अरे, यह तो बापू का ही बटुआ है। पाली ने झट से पैंट की पिछली जेब से चाकू निकाला। एक पल तो मन में आया, इस चाकू को अपने सीने में उतार दे। लेकिन अगले ही पल मन ही मन ख़ुद को गाली देता हुआ उसने चाकू दराज़ के पीछे छुपा दिया। एक बार उसने दीवार से सर पटका, फिर बाहर की ओर लपकता हुआ चिल्लाया, "मैं अस्पताल जा रहा हूं मां!"

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

फागुन : मेरे मन का उत्सव

फागुन की आई कोमल बेला,
चारों ओर खुशियों का मेला,
धरती ने हरियाली ओढ़ी,
जैसे मुस्कराता हो कोई अकेला।

बगिया में पंछी झूम रहे हैं,
डाल-डाल गीत सुनाते हैं,
हवा छूकर मन के तारों को
अनकहे भाव जगाते हैं।

अबीर-गुलाल हवा में घुलकर,
उल्लास का रंग बिखेर गए,
हँसी, ठिठोली, भीगे पल—
जीवन के सच सिखा गए।

अचानक बादल घिर आए,
फागुन में सावन उतर आया,
भीगी मिट्टी, भीगा मन,
हर बदलाव कुछ कह गया।

समझ लिया मैंने इन लम्हों में—
सौंदर्य बस दिखता नहीं,
प्रकृति से जुड़कर जीना ही
जीवन का सच्चा अर्थ सही।

कविता

मोनिका शर्मा

चेहरों के भी जुदा रंग

भाषा का भी एक ककहरा होता है
पर भावों का अपना औरा होता है

चेहरों के भी खूब जुदा होते हैं रंग
कुछ चेहरों का रंग सुनहरा होता है

कुछ पानी के भीतर गहरे दिखते हैं
कुछ के भीतर पानी गहरा होता है

कुछ के पैरों में भी घुंघरू बजते हैं
कुछ घुंघरूओं पर पहरा होता है

कुर्सी वाले तख़्त ओ ताज ले जाते हैं
कब मेहनत के सर पर सेहरा होता है

नदिया के भीतर भी नदिया बहती है
सहरा के भीतर इक सहरा होता है

कहीं बेटी कुल की लाज निभाती है
कहीं बेटा कुल का ज़हरा होता है

कुछ आँखों का पानी भी मर जाता है
कुछ आँखों का पानी ठहरा होता है।

कविता

वीणा अग्रवाल

ऋतुराज बसंत

चेहरे पर उल्लास हर्ष जन मन में छाया है
ऋतुओं का सरताज बसंत का मौसम आया है

सर्दी में जो ठिठुर रहे थे झोंपड़ पट्टी वाले
राम ही जाने ये निष्ठुर दिन कैसे रोज निकाले
फूल से कोमल बच्चों को अब आनंद आया है
ऋतुओं का ...

रंग बिरंगे पुष्पों की खुशबू से महकी क्यारी
जीव जंतु वन उपवन में अब सब पर चढ़ी खुमारी
सूरज दादा छिपा था जो अब सामने आया है
ऋतुओं का सरताज ...

पीली पीली सरसों अपनी मादकता बिखराए
हरित आम के पेड़ों पर कोयलिया गीत सुनाए
भ्रमर और तितली ने अपना राग सुनाया है
ऋतुओं का सरताज ...

ना गर्मी ना सर्दी,खुश होते है सब नर नारी
धरती मां खिल उठी,आज वह भूली पीड़ा सारी
धरती से अंबर तक कण कण मुसकाया है
ऋतुओं का सरताज ...

चेहरे पर उल्लास हर्ष जन मन में छाया है
ऋतुओं का सरताज बसंत का मौसम आया है।

सफलता पाने का शॉर्टकट...यस सर !

ज्यादातर लोग समझ ही नहीं पाते कि एक सामान्य 'नो सर' उनके करियर को असामान्य रूप से प्रभावित कर सकता है। उन्हें ये कला सीखने की ज़रूरत है कि किसी आदेश को मना 'यस सर' कह कर भी किया जा सकता है। यस सर कल का पैदा हुआ कोई नया जुमला नहीं है।

कल्पना कीजिए कोई बॉस किसी मीटिंग में कहता हो कि सफ़ेद कौआ होता है और उसका अधीनस्थ समर्थन में यस सर बोल दे। अधीनस्थ का क्या नुकसान हुआ? मगर उस बॉस की ख़ुशी का अंदाज़ा कोई नहीं लगा सकता। बॉस के झूठ का समर्थन कर उसने भविष्य की कितनी ही छुट्टियां आज ही अप्रूव करवा लीं, हाजिरी लगा के घूमने जाने की अनेक अनुमति प्राप्त कर लीं। ऐसे अधीनस्थ अपने बॉस को न केवल अपने सगे-संबंधियों से ज्यादा प्रिय होते हैं, बल्कि कुछ मामलों में प्रातः स्मरणीय भी हो जाते हैं।

व्यंग्य

विनीत पांडेय

यस सर ..! यह सिर्फ दो शब्दों की स्वीकारोक्ति नहीं है, यह मंत्र है । मंत्र क्या महामंत्र है, आप इस मंत्र की शक्ति का अंदाज़ा भी नहीं लगा सकते । इसका प्रयोग सुपर बैड होते हुए भी आपको अपने बॉस के गुड बुक में रख सकता है। अव्वल दर्जे के कामचोर को भी सर्वाधिक काम का आदमी साबित कर सकता है। नौकरी हो या बिजनेस, जिसे ये बात समझ आ गयी कि उसका बॉस असंभव काम के निर्देश पर भी 'यस सर' सुन कर रोमांचित हो उठता है, उसकी तरक्की कोई नहीं रोक सकता।

यस सर को दरअसल, अकड़ के साथ तेल का कनस्तर उलट के मालिश करने का दर्जा उसी तरह मिला हुआ है, जैसे किसी संस्था का अध्यक्ष बनने पर राज्य मंत्री का दर्जा मिल जाता है। हालांकि ये भी मिलता यस सर की ही बदौलत है । एक अनुभवी यस सर वाचक ने बताया कि यस सर जिंदगी के हां और नहीं के बीच शॉर्टकट से सीधे लक्ष्य तक पहुंचने की वो पगडण्डी है जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

ज्यादातर लोग समझ ही नहीं पाते कि एक सामान्य 'नो सर' उनके करियर को असामान्य रूप से प्रभावित कर सकता है। उन्हें ये कला सीखने की ज़रुरत है कि किसी आदेश को मना 'यस सर' कह कर भी किया जा सकता है। यस सर कल का पैदा हुआ कोई नया जुमला नहीं है। सैकड़ों साल पहले भी जी महाराज और जी हुज़ूर का अस्तित्व रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद यस सर ने जितनी तेज़ी से अपनी जगह बनाई, उससे सिद्ध होता है कि यह दुनियाभर में इतनी ही लोकप्रियता के साथ विद्यमान रहा है। यस सर कहने वाले को हमेशा अपने वरिष्ठों के अगल-बगल रहने का विशेषाधिकार प्राप्त होता है, जिसकी वजह से अकेले में भी उसका भौकाल बना रहता है। दुनिया में यस सर जैसा दूसरा कुछ भी नहीं है, यह एक साथ सबको संतुष्ट कर देता है। कितना अद्भुत जुमला है जिसे बोलने वाला भी खुश और सुनने वाला भी जबकि वो जिस चीज़ के लिए बोला-सुना जा रहा है, वो होने वाला नहीं है, ये बात दोनों जानते हैं। बॉस को पता होता है कि कौन सा यस सर हामी है और कौन सा अस्वीकृति, पर सुनना उसे यस सर ही होता है।

कारण भी स्पष्ट है, बॉस अपने तब के बॉस को यस सर कह कर बॉस बना है और अब के बॉस को यस सर कह कर बॉस बना हुआ है। कर्णप्रिय होना इस जुमले की असली ताकत है, इसका लगातार प्रयोग बॉस को हमेशा सही होने के भ्रम में बनाए रखता है। यस सर कहने वाले तो रिटायर हो जाते हैं पर यस सर रिटायर नहीं होता। ये वो विरासत है जिसे आने वाला समझदार व्यक्ति जाने वाले अनुभवी व्यक्ति से ग्रहण करता है और इसका सुख भोगता है। जग के सकल पदार्थ भले कर्महीन नर को प्राप्त नहीं होते पर आराम से जीवन व्यतीत करने के लिए आवश्यक वातावरण यस सर कहने वाला प्राप्त कर लेता है। इस महामंत्र का जाप करने वाला नौकरशाही के नुकीले दांतों के बीच जीभ की तरह रसास्वादन करने में सिद्ध हो जाता है। यस सर की घिसावट में प्रवीण व्यक्ति के लिए, सिस्टम अलादीन के चिराग से कम नहीं। वो इसे घिस कर ऑफिस में फाइलों पर कलम घिसने वाले अपने समकक्षों से उड़ने वाली कालीन पर बैठ कर आगे निकल जाता है।

कल्पना कीजिए कोई बॉस किसी मीटिंग में कहता हो कि सफ़ेद कौआ होता है और उसका अधीनस्थ समर्थन में यस सर बोल दे। अधीनस्थ का क्या नुकसान हुआ? मगर उस बॉस की ख़ुशी का अंदाज़ा कोई नहीं लगा सकता। बॉस के झूठ का समर्थन कर उसने भविष्य की कितनी ही छुट्टियां आज ही अप्रूव करवा लीं, हाजिरी लगा के घूमने जाने की अनेक अनुमति प्राप्त कर लीं। ऐसे अधीनस्थ अपने बॉस को न केवल अपने सगे संबंधियों से ज्यादा प्रिय होते हैं बल्कि कुछ मामलों में प्रातः स्मरणीय भी हो जाते हैं। सुबह-सुबह देश दुनिया की ख़बरों से ले कर ऑफिस के कामकाज तक के लिए पहला फोन ऐसे ही अधीनस्थों के पास जाता है। इसमें कोई बुराई नहीं, नौकरी में बॉस के झूठ का विरोध कर टारगेट पर आने की बजाए समर्थन कर लाभ हासिल करना ही असली आर्ट ऑफ़ लिविंग है। यदि एक यस सर कह कर आपके चेहरे पर मुस्कराहट बनी रह सकती है, बिना किसी योग-दवाई के आपका चित्त प्रसन्न रह सकता है तो खामखा उसूलों की निंद्रा भंग क्यों करना। बात अगर वाकई उसूलों पे आंच आए तो टकराना ज़रूरी है, टाइप हो जाए तो मिठाई की कीमत बढ़ाने वाले वर्क की तरह, इस सार्वभौमिक उसूल की परत मूल उसूल पर चढ़ा देनी चाहिए कि जिसकी खाओ, उसकी गाओ। सही गलत के लफड़े में उलझना ही क्यों? यस सर बोलो और छुट्टी पाओ ।

हो डगर कितनी भी कठिन, हार मत स्वीकार कर...

पुस्तक : हार मत स्वीकार कर
कवि : अश्वनी कुमार
मूल्य : 199 रुपये
प्रकाशक : कनुप्रिया पब्लिशर्स, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

डॉ. विजेंद्र कुमार

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, मृदुभाषी कवि अश्वनी कुमार की काव्य कृति 'हार मत स्वीकार कर' में 92 गीतिकाएं संगृहीत हैं। यह काव्य कृति भारतीय संस्कृति के शाश्वत एवं उज्ज्वल उद्घोष का शंखनाद प्रतीत होती है कि अपनी शब्द तूलिका से कवि विविध रंगी बिंब विधानों का सृजन करता है। कृति में परमात्मा के प्रति अटूट आस्था, माता-पिता का समादर, सहअस्तित्व एवं सदाचार, करुणा, प्रेम, दया आदि उदात्त भावों को मानव-जीवन का असली लक्ष्य प्रतिपादित किया गया है। व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के उत्थान का दर्द उनकी रचनाधर्मिता के केन्द्र में है। माता-पिता को समर्पित एक गीतिका में कवि कहता है;

जीवन सृजन करते भले, भगवान हो लेकिन/
लेता तुम्हारी कोख में आकार है अम्मा!

पिता के महत्व को कवि इस प्रकार रेखांकित करता है :

उठाते थे अकेले बोझ, वो परिवार का अपने।
नहीं अपना सलीके से, उठा सामान पाए हम।।

जीवन के कटुयथार्थ तथा आपादाओं से निरन्तर संघर्ष करते रहना ही मानव का धर्म है, उसे संकट या विपत्ति से कभी भी हार नहीं माननी चाहिए :-

मुश्किलों के साधने का नाम ही है जिंदगी।
डर गया जो देख के हालात, वो इंसान क्या?

जीवन में सकारात्मकता और विश्वास के महत्त्व का प्रतिपादन करते हुए वे असफलता व निराशा का जीवन में त्याग करने का अह्वान करते हुए कहते है:-

रात बीती को भूला अब भोर से तू प्यार कर।
कर नई शुरूआत प्यारे, हार मत स्वीकार कर।।

आपसी प्रेम व भाईचारे की सघन हरियाली से सरोबार गांव की बदली हुई दशा से कवि दुखी है। जिस तरह गांवों में भी छल, कपट व द्वेष फैल गए हैं, उसी तरह गांवों में वृक्षों की कटाई भी पर्यावरणीय असंतुलन का कारण है :-

सुख घना था, नीम की जो ठांव में।
अब नहीं मिलता मजा वह गांव में।।
दरक गई है आज हवेली, कड़ियां छत की टूट रही।
संबंधों की नींव समाई, रार कपट-चतुराई में।।

प्रेम और सद्भाव ही मानव सभ्यता का सार तत्व है। मानव सभ्यता जितनी इन दोनों से दूर होती जायेगी उतनी ही वह विनाश और पतन के करीब होती चली जायेगी। इसीलिए कवि आह्वान करता है :-

बांसुरी जिसकी जगाए, प्रेम मन में आस्था।
पूज्य वो रसखान सा, चितचोर ढूंढों साथियों।।

अश्वनी की भाषा सहज, स्वाभाविक और लखनऊ का मिठास लिए है। सीधे दिल को छूने वाली इन कविताओं में कहीं पांडित्य प्रदर्शन की लालसा नहीं है। अभिव्यक्ति की सहजता, कथ्य की ईमानदारी और मानवतावादी दृष्टिकोण इस कृति के विशेष आकर्षण है। हमारी युवा पीढ़ी की प्रेरणा के लिए यह एक सफल कृति सिद्ध होगी। इस सार्थक कृति के लिए कवि अश्वनी कुमार को साधुवाद।

खबर संक्षेप

जेसीडी में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारियां पूरी

सिरसा। जेसीडी विद्यापीठ के तत्वावधान में 24 फरवरी को उभरते रूझान एवं बहुविषयक अनुसंधान में नवाचार विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. जय प्रकाश ने बताया कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना, नए विचारों का आदान-प्रदान करना तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि इस संगोष्ठी के लिए देश-विदेश से कुल 180 शोध-सार प्राप्त हुए हैं।

महावीर कॉलोनी जलघर में चलाया सफाई अभियान

हिसार। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन की ओर से सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से निरंकारी सतगुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के 72वें जन्मदिवस के अवसर पर संत निरंकारी मिशन द्वारा 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान चलाया गया। फाउंडेशन द्वारा निरंकारी सतगुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के द्वारा दिए गए संदेश, प्रदूषण बाहर हो या अंदर दोनों हानिकारक हैं और इसके लिए स्वच्छता बहुत जरूरी है।

हिसार में दुष्कर्म केस में तीन आरोपी बरी

हिसार। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय सुनील जिंदल की अदालत ने चार वर्ष पुराने दुष्कर्म प्रकरण में तीन आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। आरोपी पक्ष के वकील प्रवीन सिवाच ने बताया कि अदालत ने सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का परीक्षण करने के बाद यह निर्णय सुनाया। मामला वर्ष 2021 में दर्ज हुआ था। अभियोजन के अनुसार पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री रात के समय घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने आसपास खोजबीन की तो गांव का एक युवक भी गायब मिला। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपहरण से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

महिला काव्य मंच की काव्य गोष्ठी आयोजित

हिसार। महिला काव्य मंच हिसार इकाई के द्वारा फरवरी माह की मासिक काव्य गोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी में महिला काव्य मंच की राष्ट्रीय महासचिव सीमा शर्मा मुख्य अतिथि व मंच की करनाल अध्यक्ष ममता प्रवीण विशिष्ट अतिथि रही। गोष्ठी की अध्यक्षता एवं मंच संचालन मंच की अध्यक्ष पूनम मनचंदा ने किया। मां शारदे की वंदना के उपरांत कवयित्री सीमा शर्मा ने अपनी रचना 'आज तुम्हारे गाल पर, मल दूं रंग-गुलाल, संग प्रीत भी घोल लूं, सजनी चल इस साल' सुनाकर सभी का मन मोह लिया। कवयित्री दीपिका राठी ने अपनी रचना 'रोजगार की तलाश में, रह गया चैन पीछे, मिला जो रोजगार का पहला पायदान तो, पर परिवार रह गया नीचे' से भौतिकता की दौड़ का खूबसूरत चित्रण किया।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता ने ली बैठक

पानी के बिलों की रिकवरी में तेजी व अवैध कनैक्शन काटने के निर्देश

■ रिकवरी में ढिलाई बरतने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी : डॉ जसवंत सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। पानी के बिलों की रिकवरी को लेकर अधिकारियों की बैठक लेने पहुंचे मुख्य अभियंता डॉ. जसवंत सिंह।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता एवं निदेशक जल स्वास्थ्य सहायक संगठन डॉ. जसवंत सिंह ने रविवार को फतेहाबाद में विभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में बताया कि आज के दौर में जल संरक्षण अति आवश्यक है। बैठक का मुख्य एजेंडा पीने के पानी के बकाया बिलों की रिकवरी में तेजी लाना और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। बकाया बिलों की वसूली पर डॉ. जसवंत सिंह ने सख्त निर्देश दिए कि जिन उपभोक्ताओं के पानी के बिल लंबे समय से लंबित हैं, उनसे प्राथमिकता के आधार पर वसूली की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व की समय पर प्राप्ति विभाग की सेवाओं को सुचारू रखने के लिए अनिवार्य है।जल संरक्षण पर जोर देते हुए बताया कि 'जल ही जीवन है' के संकल्प को दोहराते हुए निदेशक ने कहा कि पानी की बर्बादी रोकने के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाएं। बैठक में अवैध जल कनेक्शनों को नियमित करने या उन्हें काटने के निर्देश भी दिए गए ताकि पानी की बर्बादी को रोका जा सके और प्रेशर की समस्या का समाधान हो सके। डॉ. सिंह ने पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता और वितरण प्रणाली की भी समीक्षा की, ताकि जिलावासियों को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल मिलता रहे। मुख्य अभियंता डॉ. जसवंत सिंह ने कहा कि पानी एक अनमोल संसाधन है। हमें न केवल इसकी रिकवरी सुनिश्चित करनी है, बल्कि इसकी हर बूंद को बचाने के लिए समाज को साथ लेकर चलना होगा।

लोगों से अपील -पानी का दुरुपयोग न करें

बैठक के अंत में उन्होंने चेतावनी दी कि बिल रिकवरी में ढिलाई बरतने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने जनता से भी अपील की कि वे अपने बिलों का समय पर भुगतान करें और पानी का दुरुपयोग न करें। बैठक में शर्मा चंद लाली जिला सलाहकार फतेहाबाद, राकेश सोगलान जिला सलाहकार सिरसा, बलदेव सिंह, प्रेम सिंह, राजेश कुमार, हरि सिंह, प्रदीप बैनीवाल खंड संयोजक सिरसा, राकेश कुमार, अमित कुमार, रजनी, कुलदीप सिंह, पृथ्वी सिंह, मदन लाल, शमशेर सिंह, खंड संयोजक फतेहाबाद आदि ने भाग लिया।

'कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम', ओटीपी और बैंक कॉल हाइजैक कर खाते खाली कर रहे ठग

■ कूरियर/डिलीवरी एजेंट बनकर यूएसएसडी कोड डायल करवाना बन रहा है

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आमजन को साइबर अपराध की एक नई और गंभीर ठगी की तकनीक 'कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम' को लेकर सतर्क किया है। उनका कहना है कि आज के समय में मोबाइल फोन हमारी बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और व्यक्तिगत पहचान से सीधे जुड़ा हुआ है। इसी का फायदा उठाकर साइबर अपराधी लोगों को झांसे में लेकर उनके मोबाइल की कॉल फॉरवर्डिंग एक्टिव करवा देते हैं और फिर ओटीपी व बैंक कॉल अपने नंबर पर मंगवाकर खातों से पैसे निकाल लेते हैं।एसपी ने बताया कि इस प्रकार के साइबर फ्रॉड में ठग खुद को किसी नामी कूरियर या डिलीवरी कंपनी का एजेंट बताकर आम नागरिक को कॉल करते हैं। वे पार्सल कन्फर्म करने, डिलीवरी री-शेड्यूल करने या पते की पुष्टि का बहाना बनाते हैं।

किसी भी अनजान कालर पर भरोसा न करें

एसपी सिद्धांत जैन

कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम से बचने के लिए किसी भी अनजान कॉलर पर तुरंत भरोसा न करें। कूरियर या डिलीवरी के नाम पर कोई भी कोड डायल करने से साफ इनकार करें। कोई भी वास्तविक कंपनी कॉल फॉरवर्डिंग एक्टिव करने को नहीं कहती। अपने मोबाइल की कॉल फॉरवर्डिंग सेटिंग्स की जानकारी रखें। अनजान नंबर से आए एसएमएस या कॉल को नजरअंदाज करें। ओटीपी या बैंक से जुड़ी जानकारी किसी से साझा न करें। जल्दबाजी में कोई भी तकनीकी निर्देश न अपनाएं। समय-समय पर अपने बैंक खाते और मोबाइल सेटिंग्स की जांच करते रहें। यदि किसी को कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम का संदेह हो या वह इसका शिकार हो जाए, तो तुरंत अपने बैंक को सूचित करें और अपने परिजनों को भी जानकारी दें, ताकि आपके नाम पर कोई और ठगी न हो सके।

बंधक बनाकर की मारपीट, आरोपी काबू

फतेहाबाद। युवक को जबरन बस से उतारकर बंधक बनाने, उससे मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए टोहाना पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता बलजीत सिंह पुत्र लच्छुराम निवासी जमालपुर शेखां ने अपने बयान में बताया कि 17 दिसंबर 2025 की शाम वह अपने गांव जाने के लिए बस में बैठा था। उसी दौरान रविन्द्र उर्फ मेजर, दर्शन तथा अन्य व्यक्तियों ने उसे बस से नीचे उतारकर मार्बल सिटी कॉलोनी में ले गए।

एआई समिट पर कांग्रेस का प्रदर्शन शर्मनाकः केहरवाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. गंगासागर केहरवाला ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में चले अंतरराष्ट्रीय एआई समिट के दौरान कांग्रेस के प्रदर्शन को बेहद शर्मनाक व देश की छवि खराब करने वाला बताया है। रविवार को जारी बयान में डॉ. केहरवाला ने कहा कि राहुल गांधी के दिशा-निर्देश के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अद्र्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। इस तरह के विरोध से कांग्रेसियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को नीचा दिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं और नेताओं की गतिविधियां राष्ट्रहित के खिलाफ हैं। इससे पहले भी राहुल गांधी के बयानों को लेकर विवाद सामने आते रहे हैं और कांग्रेस पार्टी देश को गलत तरीके से प्रस्तुत करती रही है। उन्होंने कहा कि इस कृत्य के कारण कांग्रेस की जनमानस के मन में नकारात्मक छवि बनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की हर मोर्चे पर अर्जित की जा रही शानदार उपलब्धियों को कांग्रेस पार्टी पचा नहीं पा रही है।

जमना प्रशाद दूसरी बार सर्वसम्मति से बने प्रधान

पीडब्ल्यूडी कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक चुनाव संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। बैठक में भाग लेते कर्मचारी।

जनस्वास्थ्य शाखा का चुनाव जलघर ढुकड़ा में हरियाणा पीडब्ल्यूडी कर्मचारी संघ के द्विवार्षिक चुनाव सर्वसम्मति से हुए। सर्वसम्मति से गठित नई कार्यकारिणी में जमना प्रशाद को दूसरी बार प्रधान चुना गया। वहीं शाखा चेयरमैन चानणराम, सचिव राजकरण, कोषाध्यक्ष शुभकरण, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम प्रकाश बैनीवाल, उपाध्यक्ष अजय कुमार, जयवीर सिंह, सह सचिव सुनील कुमार, संगठन सचिव रामकिशन, उप कोषाध्यक्ष मनोज कुमार व मुख्य सलाहकार सुखबीर सिंह को चुना गया। चुने गए पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। चुनाव हरियाणा पीडब्ल्यूडी कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष भाल सिंह जाखड़ व जिला सचिव गुरदीप सिंह की देखरेख में हुआ। उन्होंने संगठन की मजबूती, कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान और उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया।

युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण की आधारशिला : कुलपति

■ चौधरी देवीलाल विव में सात दिवसीय विश्वविद्यालय स्तरीय शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में रविवार को सात दिवसीय विश्वविद्यालय स्तरीय शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रो. विजय कुमार ने किया। यह शिविर यूथ फॉर माय भारत एंड डिजिटल लिटरेसी विषय पर आयोजित किया जा रहा है। एनएसएस समन्वयक डॉ. रोहतास ने बताया कि यह आयोजन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय को आवंटित किया गया है। इस शिविर में हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा सीडीएलयू से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन प्रातः 6 बजे योग एवं प्राणायाम से दिनचर्या का शुभारंभ होगा। इसके पश्चात स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, ग्राम जागरूकता, श्रमदान एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सांयकालीन सत्रों में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, व्यक्तित्व विकास व्याख्यान, समूह चर्चा तथा प्रेरक गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व एवं संवाद कौशल को निखारा जाएगा। शिविर को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। डिजिटल युग में युवाओं का सशक्त, जागरूक एवं सामाजिक रूप से जिम्मेदार होना अत्यंत आवश्यक है।

सिरसा। शिविर को संबोधित करते कुलपति प्रो. विजय कुमार।

राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित करेगा शिविर

यह सात दिवसीय शिविर युवाओं को समाज के प्रति संवेदनशील बनाते हुए डिजिटल साक्षरता के प्रसार और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगा। एनएसएस समन्वयक ने सभी प्रतिभागियों से अनुशासन एवं सेवा भावना के साथ शिविर में भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली के कुलसचिव प्रो. हितेश शर्मा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. राजकुमार, प्रो. मोनिका सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व निकाली कलश यात्रा

श्री कृष्ण प्रणामी गोशाला दड़बा कलां एवं मानकदिवान में होगी भागवत कथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। कथा शुभारंभ पर कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु।

स्वामी सदानंद प्रणामी गो-सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कृष्ण प्रणामी गोशाला दड़बा कलां एवं मानकदिवान द्वारा आयोजित की जा रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई। गोशाला प्रधान सूची देवी ने बताया कि कलश यात्रा गांव के श्री ठाकुर मंदिर से शुरू हुई। जोकि गांव की मुख्य गलियों से होते हुए गोशाला प्रांगण में कथा स्थल तक पहुंची। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए। पूरे मार्ग में श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। कलश यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा भी की। कथा व्यास दासजी महाराज ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और समाजधर्म का ज्ञान देती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने दिव्य देह का तेज इस महापुराण में प्रवेश करा दिया था। इसलिए इसे भगवान का शरीर माना जाता है तथा इसे सुनने मात्र से तमाम तरह के कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। कथा व्यास ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार बढ़ता है, तब परमात्मा स्वयं आकर लीलाएं करते हैं। उन्होंने बताया कि भागवत पुराण को सुनने वाले भक्त मोक्ष प्राप्त करते हैं। जिस तरह राजा परीक्षित श्राप से मुक्त हुए, उसी तरह कई राक्षस और पापी भी परमात्मा की शरण में जाकर मुक्ति पा गए। श्रीमद्भागवत पुराण को सभी ग्रंथों में महापुराण की संज्ञा मिली है। प्रधान सूची देवी ने बताया कि कथा आगामी 27 फरवरी तक चलेगी।

छात्राओं ने दी आकर्षक प्रस्तुतियां

स्कूल में आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। विभिन्न खिताबों से नवाजे गई छात्राएं।

सेठ सागरमल सुराणा जैन कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 12वीं की छात्राओं के लिए गरिमामय आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने गीत, कविता, फैशन शो, नृत्य एवं संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। विद्यालय में बिताए गए अपने अनुभव साझा करते हुए छात्राएं भावुक हो उठीं। कक्षा 11वीं की छात्राओं ने विभिन्न मनोरंजक खेलों के माध्यम से 12वीं की छात्राओं का उत्साहवद्र्धन किया। इस अवसर पर 12वीं कॉमर्स की छात्रा सिमरन को मिस फेयरवेल तथा 12वीं आर्ट्स की छात्रा पायल को मिस जैन के रूप में चयनित किया गया। युक्ति को शिष्टाचार छात्रा एवं पलक को पर्सनैलिटी अवॉर्ड प्रदान किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रेणुबाला ने छात्राओं को आशीर्वचन देते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं लगन ही सफलता की कुंजी है। विद्यालय प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मक्खनलाल गोयल ने फोन के माध्यम से छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

आध्यात्मिक स्थलों का शैक्षिक भ्रमण छात्रों के लिए रहा प्रेरणादायक : डॉ. जीतराम शर्मा

■ सांस्कृतिक क्षेत्रों के दो-दिवसीय शैक्षिक भ्रमण से वापस लौटा छात्रों और शिक्षकों का दल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

राजकीय नेशनल कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों का दल रविवार को मथुरा, वृंदावन और आगरा के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों के दो-दिवसीय शैक्षिक भ्रमण से वापिस लौटा। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी प्रो. रमेश सोनी ने बताया कि यात्रा की शुरुआत पवित्र शहरों मथुरा और वृंदावन के दौरे से हुई। डॉ. जीतराम शर्मा, प्रो. रमेश सोनी एवं कर्मवीर कौशिक के कुशल नेतृत्व में छात्रों ने मथुरा में स्थित प्रतिष्ठित श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर का भ्रमण किया, जहां उन्होंने भगवान कृष्ण की जन्मभूमि से जुड़े पौराणिक और ऐतिहासिक पहलुओं को करीब से जाना। वृंदावन में दल ने ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर और इस्कॉन मंदिर का दीदार किया, जहां उन्होंने इस क्षेत्र की जीवंत आध्यात्मिक परंपराओं और स्थापत्य शैलियों को देखा।

आगरा के किले का भी भ्रमण किया

छात्रों ने 17वीं शताब्दी के इस मकबरे की जटिल संगमरमर की जड़ाई और सममित सुंदरता को निहारा, जिससे मुगल वास्तुकला और इसके निर्माण के पीछे की प्रेम कहानी के प्रति उनकी समझ गहरी हुई। दल ने यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल, भव्य आगरा के किले का भी भ्रमण किया। लाल बलुआ पत्थर के इस किले के भीतर दरबारों और महलों में घूमते हुए छात्रों ने इतिहास का व्यवहारिक पाठ सीखा, जिससे उन्हें मुगल साम्राज्य की भव्यता और सैन्य रणनीति को समझने का अवसर मिला। प्राचार्या डॉ. अनीता मडिया ने इस प्रकार के व्यवहारिक अनुभवात्मक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा कक्षा की चारदीवारी से कहीं आगे तक फैली हुई है। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए इस तरह के भ्रमण अत्यंत आवश्यक हैं। ये उनके पाठ्यक्रम को संदर्भ प्रदान करते हैं, सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देते हैं और स्थायी यादें बनाते हैं।

नशामुक्ति टीम ने भूंदडवांस में आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा गांव भूदड़वास में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना तथा प्रभावित व्यक्तियों को उपचार और परामर्श से जोड़ना रहा। कार्यक्रम का नेतृत्व नशा मुक्ति टीम के प्रभारी एसआई सुंदर ने किया। टीम द्वारा गांव में विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ सभाएं आयोजित कर लोगों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति पर भी विपरीत प्रभाव डालता है। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से खुलकर संवाद स्थापित किया गया, जिससे कई लोगों ने अपने अनुभव साझा किए और सहायता की इच्छा जताई।

फतेहाबाद। भूंदड़वास में ग्रामीणों को जागरूक करती नशामुक्ति टीम।

सात ड्रग पीड़ितों को किया चिन्हित

इस दौरान टीम द्वारा सात ड्रग पीड़ित व्यक्तियों को चिन्हित किया गया। चिन्हित व्यक्तियों की प्राथमिक काउंसलिंग कर उन्हें नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया तथा आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। टीम ने उन्हें नियमित फॉलोअप और परामर्श सत्रों में शामिल होने के लिए भी प्रेरित किया, ताकि वे स्थायी रूप से नशे से मुक्ति पा सकें। इसके अतिरिक्त पंचायत सदस्यों के साथ गोष्ठी आयोजित कर आगामी दिनों में गांव में विशेष नशा मुक्ति शिविर लगाने पर विचार-विमर्श किया गया। पंचायत प्रतिनिधियों ने भी इस मुहिम में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

खबर संक्षेप

श्री श्याम भंडारा संघ ने भंडारे के लिए भेजी सामग्री

सिरसा। खाटू श्याम धाम में श्री श्याम भंडारा संघ ट्रस्ट द्वारा 23 से 28 फरवरी तक लगाए जाने वाले भंडारे को लेकर सिरसा के मंगलम पैलेस से भंडारा सामग्री के ट्रक भंडारा स्थल के लिए रवाना किए गए। वहीं भंडारे की तैयारी को लेकर संस्था के प्रधान सुनील सोनी ने कहा कि हर बार फाल्गुन मेले पर खाटू श्याम धाम में भंडारा लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस 6 दिवसीय भंडारे में लाखों लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं। उन्होंने भंडारे के लिए सहयोग स्वरूप सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए शहरवासियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सचिव मोहित गोयल, उपप्रधान अजय मित्तल, कोषाध्यक्ष सुनील जिंदल, मनोज सिंगला, राजीव बंसल, मनोज जूहीवाला, नरेश गुप्ता, सुशील शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

जानलेवा हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

ओढां। पुलिस ने जानलेवा हमला करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मंगा सिंह उर्फ स्कूटर पुत्र जगसीर सिंह निवासी चकेरियां व मनमोहन सिंह उर्फ जगमोहन सिंह पुत्र जसविंदर सिंह निवासी डबवाली के रूप में हुई है।जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अनिल सोढ़ी ने बताया कि गुरविन्दर सिहं निवासी गांव डबवाली ने बयान दिया कि वह अपने मामा के पास सालमखेड़ा में रहता है। जो उक्त आरोपियों के साथ उसके दोस्त हैप्पी की किसी बात को लेकर कहासुनी चल रही थी। वह अपने दोस्तों के साथ रोड़ पर मौजूद था तो आरोपियों ने वहां आकर उनपर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। जिसकी वजह से वह बेहोश हो गया।

चोरी की वारदात सुलझी आरोपी गिरफ्तार, केस

ओढां। पुलिस ने गांव नुहियांवाली में करियाना स्टोर से नगदी चोरी की वारदात को सुलझाते हुए आरोपी को सिरसा जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा 8 हजार रुपये की नगद राशि भी बरामद की गई है। आरोपी की पहचान बलविंदर सिंह निवासी नुहियांवाली के रूप में हुई है। थाना प्रभारी अनिल सोढ़ी ने बताया कि शिकायतकर्ता साहिल कुमार ने बताया कि उसकी गांव में मलिक किराना स्टोर नाम से दुकान है। जो 3 फरवरी की रात को चौबारे की खिडक़ी तोडक़र उसकी दुकान में घुसकर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा नगद राशि चोरी कर ली गई। आरोपी के खिलाफ थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की तफ्तीश करते हुए पुलिस टीम ने सिरसा जेल से प्रोडक्शन वारंट लेकर आरोपी को नियमानुसार गिरफ्तार कर अभियोग में शामिल तफ्तीश कर आरोपी के कब्जे से चोरी की राशि बरामद की।

रतिया नगर पालिका ने चलाया विशेष अभियान, मिलेगी राहत

कुत्तों के आतंक से मिलेगा छुटकारा, 65 डॉग्स को पकड़कर शेल्टर होम भेजा

- बेसहारा पशुओं के प्रबंधन के लिए बुढलाड़ा रोड पर डॉग शेल्टर होम बनाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭|रतिया

शहर में बढ़ते बेसहारा कुत्तों के आतंक से निजात दिलाने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने कमर कस ली है। हरियाणा सरकार के विशेष दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए रतिया नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कुत्तों को पकडक़र नवनिर्मित डॉग शेल्टर होम में भेजा जा रहा है। नगर पालिका द्वारा नियुक्त ठेकेदार की टीम ने शहर के विभिन्न वार्डों में कार्रवाई करते हुए 12 और बेसहारा कुत्तों को सफलतापूर्वक पकड़ा।

रतिया। आवारा कुत्तों को पकड़ती टीम। फोटो : हरिभूमि

इस ताजा कार्रवाई के साथ ही अब तक शहर से कुल 65 लावारिस कुत्तों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा चुका है।

नगर पालिका के सेनेटरी इंस्पेक्टर ओंकार सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा और बेसहारा पशुओं के प्रबंधन के लिए बुढलाड़ा रोड पर एक डॉग शेल्टर होम का निर्माण किया गया है। पकड़े गए सभी कुत्तों को इसी शेल्टर में शिफ्ट किया जा रहा है, ताकि वे राहगीरों या बच्चों के लिए खतरा न बनें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान केवल कुत्तों को शहर से बाहर करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी भलाई का भी ध्यान रखा जा रहा है: अभियान के दौरान पकड़े गए जो कुत्ते घायल हैं या किसी बीमारी से ग्रसित हैं, ठेकेदार द्वारा उनका उचित उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। रेबीज के खतरे को खत्म करने के लिए सभी कुत्तों को एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं। सेनेटरी इंस्पेक्टर के अनुसार, यह अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा ताकि शहर के सभी सार्वजनिक स्थलों को सुरक्षित बनाया जा सके।

बेजुबानों को मिला सुरक्षित ठिकाना

सरकार के निर्देशों पर हमने शेल्टर होम तैयार किया है। हमारा उद्देश्य शहरवासियों को कुत्तों के काटने के डर से मुक्त करना और साथ ही इन बेजुबानों को एक सुरक्षित ठिकाना और चिकित्सा सहायता प्रदान करना है।

-ओंकार सिंह, सेनेटरी इंस्पेक्टर

घर में घुसकर चोरी करने के आरोपी पकड़े

भट्टू पुलिस ने दो युवकों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭|भट्टूकलां

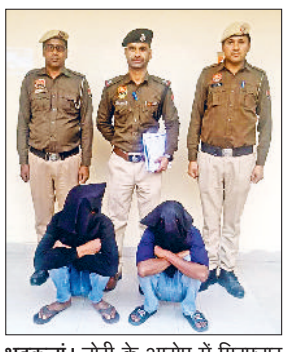

भट्टूकलां। चोरी के आरोप में गिरफ्तार दोनों युवक। फोटो : हरिभूमि

घर में घुसकर लाखों की नकदी व गहने चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना भट्टू कलां पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक राधे श्याम ने बताया कि इस बारे पुलिस ने मनीष कुमार पुत्र नागरमल निवासी गांव भट्टू कलां की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार 13 फरवरी को वह अपने बीमार बच्चों को लेकर हिसार स्थित एक निजी अस्पताल गया हुआ था। 17 फरवरी को जब वह घर लौटा तो उसने देखा कि उसके कमरे का ताला टूटा हुआ है तथा सामान बिखरा पड़ा है। अज्ञात चोर उसके घर से लगभग एक लाख 20 हजार रुपये नकद तथा सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। इस पर उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस संबंध में थाना भट्टूकला में मामला दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने जांच एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दो आरोपियों को काबू किया। आरोपी की पहचान विक्रम पुत्र कालूराम तथा मनजीत उर्फ गोलू पुत्र महाबीर निवासी किरढ़ान के रूप में हुई। दोनों आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए आभूषणों में से एक-एक ईयर रिंग बरामद की गई है। एसएचओ ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा शेष चोरीशुदा सामान की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

नेशनल हाईवे पर पुलिस ने वाहनों पर लगाए रिफ्लेक्टर और ड्राइवरों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭|फतेहाबाद

ट्रैफिक पुलिस फतेहाबाद द्वारा सडक़ दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर प्रभावी सुरक्षा उपाय लागू किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य वाहन चालकों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। थाना ट्रैफिक फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक जय सिंह ने बताया कि नेशनल हाईवे-9, करनोली मोड के आसपास ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित अन्य भारी वाहनों में लगातार रिफ्लेक्टर लगाए जा रहे हैं। इससे विशेषकर रात्रि के समय वाहन चालकों को सडक़ पर चल रहे वाहनों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी और संभावित दुर्घटनाओं की संभावना काफी हद तक कम होगी।

जय सिंह ने कहा कि इसके साथ-साथ ड्राइवरों को वाहन अपने लेन में चलाने, तेज गति से बचने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है। यह अभियान सडक़ सुरक्षा बढ़ाने के साथ-साथ समुदाय में जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का भी प्रयास है। फतेहाबाद ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे वाहन चलाते समय अतिरिक्त

फतेहाबाद। हाइवे पर वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाते ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

सतर्कता बरतें, वाहनों के रिफ्लेक्टर की उपस्थिति सुनिश्चित करें और यातायात नियमों का पालन करें। इस पहल के माध्यम से ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सडक़ सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह प्रयास न केवल दुर्घटनाओं को रोकने में सहायक होगा, बल्कि पुलिस की सकारात्मक छवि को भी मजबूती प्रदान करेगा।

गुजरात की तर्ज पर हरियाणा में भी प्रेम विवाह के लिए माता-पिता की अनुमति हो अनिवार्य : दहिया

हरिभूमि न्यूज ⏭|फतेहाबाद

सामाजिक संस्था 'जागो' ने प्रदेश की नायब सैनी सरकार से मांग की है कि सामाजिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हरियाणा में भी लव मैरिज को लेकर गुजरात सरकार की तर्ज पर नया कानून बनाया जाए। संस्था के प्रधान देवेंद्र सिंह दहिया का कहना है कि गुजरात में भाजपा सरकार ने विवाह के पंजीकरण के लिए माता-पिता की उपस्थिति और अनुमति को अनिवार्य कर दिया है, जिससे समाज के सभी वर्गों को व्यापक लाभ मिलेगा। दहिया ने बताया कि हरियाणा में विभिन्न सामाजिक संगठन लंबे समय से यह मांग कर रहे हैं कि अभिभावकों की

देवेन्द्र दहिया।

सहमति के बिना किसी भी विवाह का पंजीकरण न किया जाए।

संस्था के प्रधान ने सुझाव दिया कि जो लोग माता-पिता की अनुमति के बिना विवाह करते हैं, उनकी शादी का पंजीकरण रोकने के साथ-साथ उन्हें सरकार की ओर से मिलने

- सामाजिक संस्था 'जागो' संस्था के प्रधान देवेंद्र सिंह दहिया सरकार से की अपील

वाली विभिन्न सुविधाओं पर भी रोक लगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार को इससे भी आगे बढक़र एक कड़ा कानून बनाना चाहिए, जिसमें खुद व मां के गोत्र विवाह करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का प्रावधान हो। दहिया ने तर्क दिया कि विवाह के समय कम से कम दो गोत्र टालने का नियम वैज्ञानिक और सामाजिक, दोनों ही दृष्टि से बिल्कुल सही है, जबकि वर्तमान सामाजिक ताने-बाने में तो दादी व नानी के गोत्र में भी शादी पर रोक की परंपरा है। गुजरात के राजनीतिक घटनाक्रम का उदाहरण देते हुए देवेंद्र दहिया ने बताया कि वहां आम आदमी पार्टी के विधायक हेमंत आहिर द्वारा विधानसभा में लाए गए निजी विधेयक का भाजपा सरकार ने समर्थन किया था। उन्होंने अपील की कि हरियाणा में भी कांग्रेस, भाजपा, इनेलो और अन्य सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को एकजुट होकर इस दिशा में कानून बनाना चाहिए। दहिया के अनुसार, किसी भी देश और प्रदेश के लिए उसके सामाजिक मूल्यों की रक्षा करना अत्यंत आवश्यक है और यह कानून हरियाणा की गौरवशाली सामाजिक परंपराओं को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

भानीखेड़ा व निकुआना में बाल विवाह व दहेज प्रथा के खिलाफ दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭|रतिया

गांव भानीखेड़ा के आंगनवाड़ी केंद्र में सरपंच जसविंदर कौर की अध्यक्षता में ग्राम सभा की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसे सामाजिक मुद्दों पर लोगों को जागरूक किया गया। बैठक में ग्रामीणों को बताया गया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है और विवाह के समय लडक़े की आयु 21 वर्ष तथा लडक़ी की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होना अनिवार्य है। वर्कर संदीप कौर ने ग्रामीणों को जानकारी दी

रतिया। भानीखेड़ा में बाल विवाह व दहेज प्रथा के खिलाफ शपथ लेते हुए ग्रामीण।

कि आयु प्रमाण के लिए आधार कार्ड मान्य नहीं होगा। इसके लिए बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र या स्कूल का प्रमाण पत्र ही मान्य दस्तावेज माना जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह और दहेज प्रथा समाज की गंभीर बुराईयां हैं, जिन्हें मिलकर खत्म करना जरूरी है। बैठक में दहेज न लेने और न देने की शपथ दिलाई गई। साथ ही बाल विवाह रोकने और इसके खिलाफ आवाज उठाने का संकल्प भी दिलवाया गया। इसके अलावा गांव निकुआना में बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों को इन क्रीतियों के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया। बैठक में सरपंच बलजीत कौर, आंगनवाड़ी वर्कर कर्मजीत कौर, आशा वर्कर अच्छरां देवी सहित अन्य ग्रामीणों ने भाग लिया।

रतिया। जागरण में भजन प्रस्तुत करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

अष्टम श्री सुंदरकांड पाठ व जागरण भजनों पर खूब झूमे बाला जी के भक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭|रतिया

- श्री काजलां धाम हिसार के सौजन्य से आयोजन, मनमोहन रूप से सजाया गया दरबार

श्री बाला जी महाराज श्री काजलां धाम हिसार के सौजन्य से श्री काजलां धाम भगत मंडल रतिया के तत्वाधान में 'अष्टम' श्री सुंदरकांड पाठ एवं रात्रि जागरण का आयोजन अनाज मंडी प्रांगण में धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम गुरु महाराज काजलां धाम प्रेरणा स्रोत ब्रह्मलीन रमेश कुमार जोशी के आशीर्वाद से गुरु महाराज काजलां धाम भाई अंजनी कुमार जोशी ने ज्योति प्रचंड कर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। इसके बाद श्री सुंदरकांड का पाठ किया। तपश्चात भजन कीर्तन का दौर शुरू हुआ,जो सुबह तक चलता रहा। सुबह तक चले भव्य रात्रि जागरण में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जय बजरंगी जय हनुमान के जयकारे लगाते हुए शामिल हुए। जागरण में बाला जी अलौकिक दरबार व फूलों की सजावट देखने योग्य थी। रंग बिरंगी लडिय़ों से दरबार को ऐसे सजाया गया था, जैसे धरती पर स्वर्ग उतर आया हो। मनमोहक इत्र वर्षा ने सभी का मन मोह लिया। इस भव्य रात्रि जागरण में दिल्ली से प्रसिद्ध भजन गायक शीतल पांडे, हनुमानगढ़ से देव चुघ, फतेहाबाद से ईशा सरल सहित अनेक कलाकारों ने श्री बाला जी की महिमा पर एक से बढक़र एक समधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झुमने पर विवश कर दिया। बालाजी का अटूट लंगर वितरित किया गया। सुबह 7 बजे आरती व प्रसाद वितरण के साथ भव्य रात्रि जागरण का समापन हुआ। इस मौके पर काजलां धाम भक्त मंडल के समस्त सदस्य मौजूद रहे।

हकृवि का लाडवा में कृषि विकास मेला 28 से : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭|फतेहाबाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 28 फरवरी से 1 मार्च तक दो दिवसीय कृषि विकास मेला अनाज मंडी लाडवा में लगाया जाएगा। इस मेले में फतेहाबाद जिले से भी काफी संख्या में किसान भाग लेंगे। कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहाबाद द्वारा किसानों को मेले में दी जाने वाली महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत करवाया है। कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयक डॉ संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इस मेले का मुख्य विषय जल संरक्षण-प्रति बूंद से अधिक फसल रखा गया है,जिसका उद्देश्य किसानों को जल प्रबंधन की उन्नत तकनीक

से अवगत कराना तथा कम पानी में अधिक उत्पादन की दिशा में प्रेरित करना है। हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि कृषि विकास मेले के दौरान कृषि एवं औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें आधुनिक कृषि यंत्रों, उन्नत किस्म के बीजों तथा नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों के लिए मिट्टी एवं पानी के नमूनों की सामान्य शुल्क पर जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त रोग ग्रस्त फसलों की जांच एवं निदान, फसल प्रतियोगिता, गृह विज्ञान संबंधी जानकारी तथा कृषि विशेषज्ञों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन भी किया जाएगा। जिसमें किसानों के सवालों के जवाब दिए जाएंगे।

सेमिनार में विद्यार्थियों को दिए इंटरव्यू के टिप्स, समय प्रबंधन के बारे में भी बताया

हरिभूमि न्यूज ⏭|रतिया

शहीद दविन्द्र सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, रतिया में रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा छात्राओं के करियर उन्नयन के उद्देश्य से दो सत्रों में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय इंटरव्यू को नियंत्रित करना सीखें तथा प्रभावी परिचय रहा। दोनों सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. मोहिन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी सीएमजी राजकीय महिला महाविद्यालय भोडिया खेड़ा रहे।

प्रथम सत्र में डॉ. मोहिन्द्र कुमार ने साक्षात्कार की पूरी प्रक्रिया को चरणबद्ध ढंग से समझाया। उन्होंने बताया कि इंटरव्यू में आत्मविश्वास, विषय-ज्ञान, बॉडी लैंग्वेज, समय प्रबंधन और सकारात्मक दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने सामान्य पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देने की रणनीति, तनाव प्रबंधन तथा पैनल इंटरव्यू में संतुलित संवाद के व्यावहारिक उपाय भी साझा किए। छात्राओं को वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया गया कि कैसे साक्षात्कार के दौरान अपनी क्षमताओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है। द्वितीय सत्र में वक्ता ने आत्म-परिचय को

रतिया। सेमिनार पर संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता।

करियर की पहली सीढ़ी बताते हुए कहा कि संक्षिप्त, स्पष्ट और उद्देश्यपूर्ण परिचय चयनकर्ता पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने शैक्षणिक पृष्ठभूमि, कौशल, उपलब्धियों और करियर लक्ष्य को जोडक़र प्रभावी परिचय देने की तकनीक समझाई। मॉक गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं ने अपना परिचय प्रस्तुत किया, जिस पर वक्ता ने उपयोगी सुझाव दिए। महाविद्यालय प्राचार्य परमजीत संधा ने अपने संबोधन में रोजगार प्रकोष्ठ की सक्रिय भूमिका की सराहना की और कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य छात्राओं को केवल शैक्षणिक ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक रूप से भी सशक्त बनाना है। रोजगार प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. जसबीर ने भविष्य में भी ऐसे

धर्म-कर्म साधिका की बड़ी दीक्षा का पाठ में उत्तर भारत से हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया

संयम के मार्ग पर चलना खांडे की धार पर चलने के समान : अरुण मुनि

हरिभूमि न्यूज ⏭|रतिया

आगम ज्ञाता योगीचार्य गुरदेव अरुण मुनि महाराज के नेश्राय में रविवार को साधिका वीरबाला की बड़ी दीक्षा का पाठ मंडी रोड स्थित जैन स्थानक में पढ़ाया गया। अरुण मुनि महाराज ने साधिका को बड़ी दीक्षा का पाठ पढ़ाया और उन्हें साधिका मार्ग पर आगे चलने के लिए विशेष संदेश दिया। इस समारोह में उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, दिल्ली सहित कई राज्यों से सैकड़ो श्रद्धालुओं ने भाग लिया। दिल्ली निवासी साधिका वीरबाला की साधिका दीक्षा 15 फरवरी को

रतिया। कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

हर्षोल्लास से कुलां में आयोजित हुई थी और कुलां कार्यक्रम में अरुण मुनि ने बड़ी दीक्षा का पाठ रतिया में पढ़ाने की घोषणा की थी। इसके बाद गुरुदेव अरुण मुनि पिछले दिनों रतिया जैन स्थानक में पहुंचे थे। रविवार को बड़ी दीक्षा पाठ के समारोह में अरुण मुनि महाराज ने साधिका वीरबाला को पाठ पढ़ाते हुए कहा कि जैन साधिका बनकर

मानवता को अपनाना चाहिए

कार्यक्रम में श्री अरुण मुनि जी महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रवचन करते हुए कहा कि मनुष्य को संप्रदायवाद को छोडक़र मानवता को अपनाना चाहिए और उन्होंने हाथ खड़े करवाकर मानवता के लिए अहवान भी किया। इस समारोह में सभा के प्रधान मोनू जैन, महामंत्री निशांत जैन आदि ने भी विभिन्न क्षेत्रों से आये जैन समाज के लोगों का स्वागत किया और जैन सभा के कार्यों की जानकारी भी दी।

संयम के मार्ग पर चलना खांडे की धार पर चलने के समान है और जैन धर्म में अहिंसा के अलावा जप, तप, आचार व विचार को प्रमुखता दी गई है इसलिए साधिका के लिए जैन धर्म के नियमों का पालना करना भी अत्यंत जरुरी है। उन्होंने कहा कि जैन समाज में साधिका ओर मुनि ही ऐसे संत हैं जो कि दीक्षा ग्रहण करने के बाद गृहस्थ, संसारिक व व्यापारिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं और धर्म के मार्ग की ओर अग्रसर हो जाते हैं। अरुण मुनि जी ने साधिका वीरबाला जी को बड़ी दीक्षा पाठ के दौरान जैन धर्म के विभिन्न पाठ पढ़ाए।